

# शहर का ट्रैफिक सुगम करने की कोशिश, संभावनाओं के बीच दो विशेषज्ञ ने बताए नए विकल्प बीआरटीएस अच्छा, पर दूसरे विकल्प पर सोचें वाहन कम करने के लिए रजिस्ट्रेशन चार्ज बढ़ाएं

**भास्कर पहल**  
स्वच्छ हुए, सुगम भी हो जाएं,  
आइए अब ट्रैफिक में  
भी नं.1 हो जाएं

भास्कर संवाददाता | इंदौर

शहर का ट्रैफिक किस तरह सुगम हो, इसको लेकर शहर में कुछ मैदानी काम हो रहे हैं तो कुछ प्रस्तावों पर मंथन चल रहा है। मैदानी काम जैसे- चौराहों पर ट्रैफिक जवानों की तैनाती, नो एंट्री का सख्ती से पालन, डिवाइडर लगाना। वहीं, भविष्य की जरूरत के मद्देनजर बीआरटीएस पर एलिवेटेड कॉरिडोर, प्रमुख सड़कों पर फ्लाया ओवर बनाने पर बात चल रही है। बीआरटीएस को हटाए जाने की बात भी हो रही है। वहीं, अब रोप-वे को भी बेहतर विकल्प बताया गया है। इन्हीं संभावनाओं के बीच दो विशेषज्ञ बता रहे हैं ट्रैफिक का कौन सा विकल्प सही है।

**बीआरटीएस के सही उपयोग के लिए लोगों को जागरूक करें**



■ प्रो. प्रदीप माथुर,  
डायरेक्टर आईआईटी इंदौर

बीआरटीएस कॉरिडोर अच्छा पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। यह यात्रियों के लिए फायदेमंद है। इंदौर में इसका प्रभावी उपयोग भी हुआ है। इसे और सुविधाजनक बनाया जाए तो इसे हटाने की जरूरत नहीं है। हालांकि आज नई तकनीकें पब्लिक ट्रांसपोर्ट में उपलब्ध हैं। मोनो रेल सिस्टम पर विचार किया जा सकता है। बतौर ट्रायल यह प्रयोग 10-15 किमी में किया जा सकता है।

**कार वालों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट में डायवर्ट करें**



■ विजय मराठे,  
अर्बन प्लानर

बीआरटीएस रहना चाहिए। हालांकि गलतियां सुधारी जाना चाहिए। गरीब या मध्यमवर्गीय तो सिटी बस, आई-बस और मैजिक में चल ही रहा है। कार वालों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट में डायवर्ट करना जरूरी है। इसके लिए सुविधा बढ़ाना होगी। वाहनों को कम करने के लिए रजिस्ट्रेशन चार्ज बढ़ाना होगा। खासकर इंदौर में।

बीआरटीएस को हटाने या इस पर एलिवेटेड रोड बनाने या मेट्रो अथवा मोनो रेल चलाने के प्रस्तावों के बीच अब रोप-वे सिस्टम पर हुई है बात



ये हैं बीआरटीएस का विजय नगर चौराहा। यहां रोटरी बड़ी होने के कारण दिन में कई बार ट्रैफिक उलझता है। इसके अलावा लगभग साढ़े 11 किमी लंबे इस कॉरिडोर पर शहर का लगभग आधा ट्रैफिक रोज गुजरता है। इसमें 14 चौराहे हैं और पांच-छह जगह बॉटलनेक। एलआईजी चौराहे से नौलखा तक के करीब साढ़े तीन किमी के हिस्से में कॉरिडोर सबसे संकरा है। भास्कर ने पहल की तो इस पर एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने को केंद्र सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अब बाकी काम जल्द शुरू होगा।